भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 277 का उत्तर

कटिहार रेल मंडल में बुनियादी ढांचे का विकास

***277. श्री तारिक अनवर:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पूर्वोत्तर सीमा रेलवे का कटिहार मंडल बुनियादी ढांचे के विकास और आधुनिकीकरण में पिछड़ता हुआ प्रतीत हो रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान उक्त मंडल के लिए सरकार द्वारा आवंटित बजट और किए गए वास्तविक व्यय का ब्यौरा तथा राष्ट्रीय औसत की तुलना में परियोजना पूर्ण होने की दर क्या है;

(ग) क्या उक्त मंडल में पुराने चल स्टॉक के आधुनिकीकरण, सिग्नलिंग प्रणाली में सुधार और स्टेशनों के उन्नयन की कोई विशिष्ट और समयबद्ध योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने उक्त क्षेत्र में रेल संपर्क और यात्री सुविधाओं में कथित कमी का आकलन किया है और यदि हां, तो उक्त मुद्दे के समाधान के लिए बनाई गई कार्य योजना सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 277 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): पूर्वोत्तर सीमा रेलवे का कटिहार मंडल सामरिक और परिचालनिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपनी अवस्थिति के कारण, कटिहार मंडल द्वारा महत्वपूर्ण रेल यातायात की सम्हलाई की जाती है और यह पूर्वोत्तर क्षेत्र में निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तदनुसार, कटिहार मंडल में अवसंरचना संबंधी उन्नयन के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

हाल ही में कटिहार मंडल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली चालू की गई परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:-

क्र. सं.	परियोजना	लंबाई (किलोमीटर में)
1.	अररिया-गलगलिया नई लाइन	111
2.	एकलाखी-बालुरघाट नई लाइन	87
3.	कटिहार-जोगबनी-बारसोई-राधिकापुर-तेजनारायणपुर आमान परिवर्तन	236

कटिहार मंडल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं जिन्हें शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:-

क्र. सं.	परियोजना	लंबाई (किलोमीटर में)
1.	जोगबनी-विराटनगर नई लाइन	19
2.	बालुरघाट-हिल्ली नई लाइन	29
3.	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन	34

4.	जलालगढ़-किशनगंज नई लाइन	51
5.	रायगंज-इटाहार, गजोले-इटाहार, इटाहार-बुनियादपुर नई लाइन	76
6.	रायगंज-दलखोला नई लाइन	43
7.	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण	64

कटिहार मंडल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुछ सर्वेक्षण कार्यों की स्थिति निम्नलिखित है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम (लंबाई)	स्थिति
1.	मालदा टाउन-कुमेदपुर तीसरी और चौथी लाइन (62 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो गई है।
2.	कुमेदपुर-अलुआबाड़ी रोड तीसरी और चौथी लाइन (129 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो गई है।
3.	अलुआबारी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 किलोमीटर)	परियोजना को हाल ही में स्वीकृति मिली है।
4.	अलुआबाड़ी रोड-ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 किलोमीटर)	परियोजना को हाल ही में स्वीकृति मिली है।
5.	ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (56 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो गई है।
6.	सिलीगुड़ी-न्यू जलपाईगुड़ी दोहरीकरण (7 किलोमीटर)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हो गई है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र-रेल बजट:

पिछले पांच वर्षों के दौरान बजट आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन इस प्रकार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	2,122 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	10,440 करोड़ रुपए (लगभग 5 गुना)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और 2014-2025 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	333 किलोमीटर	66.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	1,840 किलोमीटर	167.27 किलोमीटर प्रतिवर्ष (लगभग 2.5 गुना)

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल लंबाई 777 किलोमीटर और 69,342 करोड़ रुपए की लागत की 12 रेल परियोजनाएं (08 नई लाइनें, 04 दोहरीकरण) हैं, को स्वीकृत किया गया है। जिसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	08	448	113	38,078
दोहरीकरण/बहुपथन	04	329	165	3,598
कुल	12	777	278	41,676

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कमीशन की गई परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	अगरतला-सबरूम नई लाइन (112 किलोमीटर)	3,170
2	अगरतला-अखौरा नई लाइन (5 किलोमीटर)	865
3	रंगिया-मुरकोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 किलोमीटर)	3,019
4	कुमारघाट-अगरतला आमान परिवर्तन (109 किलोमीटर)	1,242
5	लमडिंग-बदरपुर-सिलचर और बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 किलोमीटर)	6,500
6	लमडिंग-होजाई दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	410
7	दिगारू-होजाई दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1,873
8	न्यू बोंगाईगांव-अगथोरी दोहरीकरण (143 किलोमीटर)	2,048
9	बोगीबील पुल (92 किलोमीटर)	5,820

चालू परियोजनाएं:

पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली शुरू की गई कुछ मुख्य परियोजनाएँ निम्नलिखित हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	जिरीबाम-इंफाल नई लाइन (111 किलोमीटर)	21,886
2	दीमापुर-कोहिमा नई लाइन (82 किलोमीटर)	15,230
3	मुरकोंगसेलेक - पासीघाट नई लाइन (27 किलोमीटर)	1,249
4	न्यू बोंगाईगांव-गोआलपाड़ा - गुवाहाटी (कामाख्या) दोहरीकरण (176 किलोमीटर)	4,962
5	सरायघाट पुल का दोहरीकरण (7 किलोमीटर)	1,474
6	कामाख्या गुवाहाटी तीसरी लाइन (6 किलोमीटर)	395
7	लमडिंग - फुरकेटिंग दोहरीकरण (140 किलोमीटर)	2,124
8	फुरकेटिंग - तिनसुकिया दोहरीकरण (194 किलोमीटर)	3,634

इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों अर्थात 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, कटिहार मंडल सहित पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाले कुल 3,590 किलोमीटर लंबाई के 45 सर्वेक्षण कार्यों (24 नई लाइन, और 21 दोहरीकरण) को मंजूरी दी गई है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और तीव्र कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में निम्नानुसार शामिल हैं:

- **निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन और वन्यजीव संबंधी स्वीकृति के लिए और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।**

चल स्टॉक का आधुनिकीकरण:

भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आराम हेतु चल स्टॉक का आधुनिकीकरण और सुधार/उन्नयन एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

पूर्ववर्ती आईसीएफ प्रकार के सवारी डिब्बों को अधिक सुरक्षित और आधुनिक एलएचबी प्रकार के सवारी डिब्बों से बदलने का कार्य चरणबद्ध रूप से शुरू किया गया है। प्रौद्योगिकीय रूप से उन्नत एलएचबी सवारी डिब्बों में बेहतर यात्रा अनुभव, बेहतर सौंदर्य और इनमें हल्के डिजाइन, एंटी क्लाइम्बिंग, निष्क्रियता संकेतन प्रणाली सहित एयर सस्पेंशन (सेकेंडरी), स्टेनलेस स्टील शेल और डिस्क ब्रेक प्रणाली जैसी विशेषताएँ होती हैं।

वर्ष 2004-14 की तुलना में 2014-25 के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन निम्नानुसार है:

अवधि	विनिर्मित किए गए एलएचबी सवारी डिब्बे
2004-14	2,337 अदद
2014-25	42,677 अदद (18 गुना से अधिक)

यात्रियों के बेहतर यात्रा अनुभव के दृष्टिकोण से, भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत गाड़ियों में आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा सुविधाओं और यात्री सुविधाएं प्रदान की गई हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 162 वंदे भारत चेयर कार गाड़ी सेवाएँ परिचालित की जा रही हैं।

इन नई वंदे भारत चेयर कार गाड़ियों में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- झटका मुक्त सेमी परमामेंट कपलर।
- कवच से सुसज्जित।
- केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे
- सभी सवारी डिब्बों में आपातकालीन अलार्म पुश बटन और टॉक बैक इकाई
- बेहतर अग्नि संरक्षा-विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।
- 180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।

- वॉइस रिकॉर्डिंग सुविधा और क्रैश हार्डन्ड मेमोरी के साथ चालक-गार्ड संपर्क।
- यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।
- बेहतर यात्रा अनुभव
- सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
- दिव्यांग यात्रियों के लिए ड्राइविंग कोच में दोनों तरफ विशेष शौचालय।
- रिमोट निगरानी के लिए कोच कंडीशन निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस)।

इसके अलावा, लंबी दूरी की यात्रा के लिए, भारतीय रेल ने वंदे भारत एक्सप्रेस का स्लीपर संस्करण शुरू किया है। इस समय, भारतीय रेल नेटवर्क पर 2 वंदे भारत स्लीपर गाड़ी सेवाएँ परिचालित की जा रही हैं।

इन वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों में मुहैया कराई गई व्यापक प्रौद्योगिकीय प्रगति और संरक्षा विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- झटका मुक्त सेमी परमामेंट कपलर एवं एंटी-क्लाइम्बर।
- कवच से सुसज्जित।
- 180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।
- ईएन मानकों के साथ कारबॉडी के अनुरूप दुर्घटना-रोधी डिज़ाइन।
- अग्नि संरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए प्रत्येक सवारी डिब्बे के अंत में अग्नि अवरोधक दरवाजे।
- बेहतर अग्नि संरक्षा-विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।
- ऊर्जा दक्षता के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग प्रणाली।

- यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।
- केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे
- सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
- आपातकालीन स्थिति में यात्री और गाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।
- दिव्यांगजन यात्रियों के लिए ड्राइविंग कोच में दोनों तरफ विशेष शौचालय।
- यात्री सुविधाओं जैसे वातानुकूलन, सैलून प्रकाश व्यवस्था आदि की स्थिति पर निगरानी के लिए केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली।
- ऊपर की शायिकाओं पर चढ़ने में सुगमता के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीढ़ी।

भारतीय रेल ने अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी सेवाएँ विकसित की हैं, जो पूर्णतः अवातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ियां हैं। वर्तमान में 54 गाड़ी सेवाएं पहले से ही परिचालित की जा रही हैं। इन आधुनिक गाड़ियों में 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे, 1 रसोई-यान और 2 सामान सह दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं।

इन गाड़ियों में निम्नलिखित उन्नत सुविधाएँ और विशेषताएं शामिल हैं:

- वंदे भारत स्लीपर के समान उन्नत रूप और अनुभूति वाले सीट और बर्थ का बेहतर साज-सज्जा।
- झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर्स।
- क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।

- **सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।**
- **शौचालयों का बेहतर डिज़ाइन।**
- **बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी का बेहतर डिज़ाइन।**
- **बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।**
- **ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।**
- **शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली।**
- **यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।**
- **यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।**
- **उन्नत तापन क्षमता वाली गैर-वातानुकूलित रसोई-यान।**
- **आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित मोचन प्रणाली वाले पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।**

उपनगरीय और क्षेत्रीय दैनिक यात्रियों के बीच शहरों के बीच की छोटी दूरी की यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए वंदे भारत रेलगाड़ियों की विशेषताओं का उपयोग करते हुए नमो भारत रैपिड रेल की शुरुआत की गई है। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 4 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएँ परिचालित की जा रही हैं।

नमो भारत रैपिड रेल की प्रमुख विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- **केंद्रीकृत नियंत्रित डबल लीफ स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे**
- **संरक्षा और यात्री निगरानी के लिए सीसीटीवी**
- **गद्देदार सीटों और सीलबंद लचीली मार्गिका के साथ मॉड्यूलर आंतरिक साज-सज्जा**
- **आपातकालीन संप्रेषण प्रणाली टॉक सिस्टम**

- **ऊर्जा कुशल प्रकाश-व्यवस्था प्रणाली के साथ एलईडी की लगातार रोशनी**
- **निर्वात निकासी के साथ एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय**
- **वातानुकूलित ड्राइवर कैब के साथ पूर्णतया वातानुकूल रेलगाड़ियां**

सिगनल प्रणाली में सुधार:

भारतीय रेल द्वारा अपनी सिगनल प्रणाली की मौजूदा अवसंरचना का निरंतर आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जो कि निम्नानुसार है:

1. **दिनांक 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार 6,665 रेलवे स्टेशनों पर पुराने मेकेनिकल सिगनल प्रणाली के स्थान पर कांटों एवं सिगनलों के केंद्रीकृत परिचालन के साथ विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली की व्यवस्था की गई है, जिनमें से 3870 स्टेशनों पर विद्युत अंतर्पाशन प्रणाली मुहैया कराई गई है।**
2. **समपार रेलफाटकों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए, 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार 10,153 समपार रेलफाटकों पर अंतर्पाशन की व्यवस्था की गई है।**
3. **संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार 6,669 रेलवे स्टेशनों पर विद्युत साधनों द्वारा रेलपथ अभियोग के सत्यापन द्वारा रेलवे स्टेशनों के पूर्ण रेलपथ परिपथन की व्यवस्था की गई है।**
4. **ब्लॉक खंड की स्वचालित स्वीकृति के लिए धुरा काउंटर, बीपीएसी (ब्लॉक प्रूविंग एक्सल काउंटर) मुहैया कराए गए हैं ताकि अगली गाड़ी के आगमन के लिए लाइन क्लियर मुहैया कराने से पूर्व गाड़ी का पूर्ण आगमन सुनिश्चित हो सके और मानवीय हस्तक्षेप को कम किया जा सके। ये प्रणाली दिनांक 28.02.2026 तक 6149 ब्लॉक खंड पर मुहैया कराई गई है।**

5. स्वचालित ब्लॉक सिगनल प्रणाली (एबीएस), जो मौजूदा रेलपथ अवसंरचना के भीतर लाइन क्षमता को बढ़ाती है, को दिनांक 28.02.2026 तक 6897 मार्ग किलोमीटर पर मुहैया कराया गया है।
6. भारतीय रेल ने स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित गाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली को कार्यान्वित करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए उच्चतम श्रेणी के सुरक्षा प्रमाणीकरण (एसआईएल 4) आवश्यक था। जुलाई 2020 में कवच प्रणाली को एक राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया है।

व्यापक और विस्तृत परीक्षणों के उपरांत, कवच संस्करण 4.0 को 1452 मार्ग किलोमीटर पर सफलतापूर्वक चालू किया गया है, जिसमें उच्च घनत्व वाले दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्ग शामिल हैं। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 को जंक्शन केबिन-पलवल-मथुरा-नागदा खंड (667 मार्ग किलोमीटर) और वडोदरा-विरार खंड (336 मार्ग किलोमीटर) एवं वडोदरा-अहमदाबाद खंड (96 मार्ग किलोमीटर) पर तथा दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 को गया-सरमाटांड खंड (93 मार्ग किलोमीटर) एवं छोटा अम्बाना-बर्धमान-हावड़ा खंड (260 मार्ग किलोमीटर) पर कमीशन किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल के सभी जीक्यू, जीडी, एचडीएन और चिह्नित रेलखंडों को कवर करते हुए 24,427 मार्ग किलोमीटर पर कवच के रेलपथ साइड कार्यों का कार्यान्वयन प्रारंभ किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों, आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से कटिहार मंडल, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के 20 स्टेशन (अलुआबाड़ी

रोड, अररिया कोर्ट, बालुरघाट, बरसोई जंक्शन, भालुका रोड, दलखोला, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, जलपाईगुड़ी, कालियागंज, कटिहार जंक्शन, किशनगंज, कुमेदपुर जंक्शन, लाभा, मालदा कोर्ट, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, सालमारी, समसी, सिलीगुड़ी जंक्शन और ठाकुरगंज) बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थित हैं।

बिहार और पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बारसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, डेहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर जंक्शन, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करहागोला रोड, कटिहार जंक्शन, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमीनिया, लखीसराय जंक्शन, मधुबनी, महेशखूंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मसरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर (मुंगेर), मुजफ्फरपुर जंक्शन, नबीनगर रोड, नरकटियागंज जंक्शन, नौगछिया, नवादाह, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना जंक्शन, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहेबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर,

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे
पश्चिम बंगाल	101	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अंडाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, राणाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी, समसी, संतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जंक्शन, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर,

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		तुलिन, उलुबेरिया

बिहार और पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और अनारा, बाराभूम, हल्दिया, जॉयचंदी पहाड़ जंक्शन, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, पीरपैंती, सिउरी, तमलुक और थावे में काम पूरा किया जा चुका है।

अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

बिहार:

- अररिया कोर्ट स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, पहुंच मार्ग और बाउंड्री दीवार का कार्य पूरा हो गया है। लिफ्ट, परिचलन क्षेत्र, 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल और नए स्टेशन भवन की फिनिशिंग का कार्य शुरू हो गया है।
- बरसोई जंक्शन स्टेशन: पुराने क्वार्टरों को ध्वस्त करने और जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण का कार्य पूरा हो गया है। स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू हो गया है।
- किशनगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 पर पीने के पानी के नल, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग, पहुंच मार्ग और बाउंड्री दीवार का कार्य पूरा किया जा चुका है। बागवानी संबंधी और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू हो गया है।

- **सालमारी स्टेशन : स्टेशन भवन में सुधार कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1 का विस्तार और ऊंचाई बढ़ाने और प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा किया जा चुका है। परिचलन क्षेत्र और 3 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू हो गया है।**
- **ठाकुरगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा हो गया है। प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर शौचालय, कोच संकेतन बोर्ड और गाड़ी संकेतक बोर्ड का कार्य शुरू हो गया है।**

पश्चिम बंगाल:

- **बालुरघाट स्टेशन: स्टेशन भवन, पोर्टिको, प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्रतीक्षा कक्ष, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है। लिफ्ट और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू हो गया है।**
- **हल्दीबाड़ी स्टेशन: प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म की सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, बाउंड्री दीवार और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का सुधार कार्य पूरा हो गया है। पोर्टिको का कार्य शुरू हो गया है।**
- **जलपाईगुड़ी स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 का विस्तार और प्लेटफॉर्म सतह का कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, बाउंड्री दीवार और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा हो गया है। परिचलन क्षेत्र, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू हो गया है।**
- **न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन: पार्सल/रेल मेल सेवा कार्यालय का कार्य, प्रस्थान भवन के चौथे तल तक का संरचना संबंधी कार्य, आगमन-01 भवन और आगमन-02 भवन, पोडियम पार्किंग-01 का कार्य पूरा हो गया है। पांचवें और छठे तल के प्रस्थान भवन का संरचना**

संबंधी कार्य, एलिवेटेड रोड, पोडियम पार्किंग-02, एयर कॉनकोर्स और आगमन-01 भवन का फिनिशिंग का कार्य शुरू हो गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों पर विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार।

बिहार राज्य चार क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए पिछले चार वित्तीय वर्षों और वर्तमान

वर्ष के लिए 6,599 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत इन क्षेत्रीय रेलों द्वारा पिछले चार वर्षों और वर्तमान वर्ष (जनवरी, 2026 तक) में 6,051 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों को पिछले चार वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 4,458 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। इन क्षेत्रीय रेलों द्वारा पिछले चार वर्षों और वर्तमान वर्ष (जनवरी, 2026 तक) योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 4,150 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

*****